



■ सुप्रीम टिप्पणी :
देश की
न्यायपालिका को
ध्वन्त कर देना
चाहते हैं आप लोग
- 12



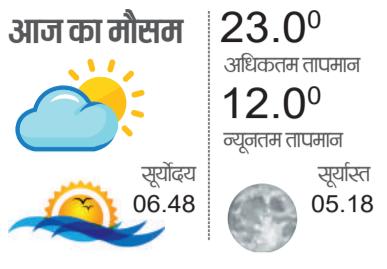
■ भारत में
रुसी कच्चे तेल
का आयात नवंबर
में पांच माह के
उच्च स्तर पर
- 12



■ चीन की
गतिविधियों ने
वृद्धि के बाद जापान
अमेरिका का सैन्य
अव्याप्ति
- 13



■ सूर्यवंशी की
दिक्कोंटोड पारी से
भारत ने अंडेर-19
एशिया कप में यूएई
को 234 रन से
हारा - 14



पौष कृष्ण पक्ष नवमी, 04:38 उपरांत दशमी विक्रम संवत् 2082

अनुत्तर विचार

लखनऊ |

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बैदी ■ कानपुर
■ गुरुदाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

शनिवार, 13 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 314, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

डिजिटल होगी जनगणना, 11,718 करोड़ मंजूर

इस कार्य को 30 लाख कर्मचारी दो चरणों में करेंगे, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की जनगणना 2027 देश के इतिहास में पहली बार पूरी तरह डिजिटल होगी। सरकार का कहना है कि यह नई व्यवस्था डेटा की सुरक्षा, तेजी और पारदर्शिता का ध्यान में रखकर तैयार की गई है। दो चरणों में होने वाली यह जनगणना देश के हर व्यक्ति और हर घर की जानकारी डिजिटल तरीके से दर्ज करेगी।

केंद्रीय मंत्री अशिंगी वैष्णव ने बताया कि जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। यह पूरी जनगणना डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी। पहला ट्रैक हाटउस ट्रिप्पिंग और हालांकांग जनगणना अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगी। दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगा।

वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक शुक्रवार को प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई है। उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश तथा हिमाचल



अनुपयोगी 71 कानून हाँगे निरस्त

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 71 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयकों को मंजूरी दी जिनकी उत्तरायणिका कानून की किताबों में समाप्त हो चुकी है। इन 71 कानूनों में से 65 प्रमुख अधिनियमों में संशोधन हैं और छह प्रमुख कानून हैं। निरस्त किए जाने वाले प्रतिवित कानूनों में से कम से कम एक कानून विद्युत कानून का है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित निरसन और संशोधन विधेयक का उद्देश्य औपचारिक कानूनों को रुक करना नहीं है, बल्कि उन अधिनियमों को हटाना है जिनकी उत्तरायणिक समाप्त हो चुकी है। सरकार द्वारा सरोकार पारित हो जाने के बाद वह मूल कानून में समाप्त हो जाता है। फिर वह केवल कानूनों की किताबों में अनवश्यक बोझ डालता है। अब तक 1,562 पुराने अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया जा चुका है।

बीमा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने संबंधी प्रस्तावित विधेयक पर मुहर लगाया गई। इसका उद्देश्य 2047 तक 100 गीवावट परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लक्ष्य को पूरा करना है जिस भी निर्माण सीताराम ने फरवरी में अपने बन्दूक भविष्य में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्री भागीदारी के लिए खोलने की योजनाओं की धोणी की थी।

छोटे मौजूदूर रिपब्लिकों (एसपीआर) के अनुसन्धान और विज्ञान के लिए 20,000 करोड़ के परिवर्य के साथ परमाणु ऊर्जा मिशन की भी धोणी की।

प्रदेश और उत्तराखण्ड राज्यों के बार्फ से ढके दूर दराज के क्षेत्रों के लिए जनगणना कवायद सितंबर 2026 में होगी। जनगणना 2027

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के

के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक विधेयक के लिए जारी किये जाएंगे। लगभग 30 लाख

न्यूज ब्रीफ

बैटरी खोलते समय

पकड़ा गया चोर

निवेदींगं, बाराबंकी, अमृत विचार

सुलानपुर हाइवे किनारे स्थित

रेलिंग फैक्रेशन की दुकान पर खड़े

हाफ डाला की बैटरी खो रहे चोर को

पकड़कर दुकानदार ने पुलिस को सौंपा

है। अमेठी के थाना व गांव जामो निवासी

सम्मान प्रिंस देविल बाहुदाह पर रेलिंग

बनाने का काम करता है। जहां गुरुवार

रात करीब ग्यारह बजे दुकानदार जब

दुकान से बाहर निकला। तो दुकान के

सामने खड़े मैजिक डाला की बैटी पक

युवत खोलता दिखा। आवाज देने पर

दुकान पर काम करने वाले अन्य लोग

भी आ गए। सबने दीक्षा वीरों कर रहे

युवक को पकड़कर पुलिस के हावाले

कर दिया। इसी अभ्युक्त कुमार मौर्य ने

बताया कि पकड़े गए युवक ने अपना नाम

सौभर्सिंह (22) निवासी ग्राम अंडास

बुजुरक जिला बलरामपुर बताया है।

नशा मुक्त युवा

कार्यक्रम आयोजित

बाराबंकी, अमृत विचार : महारानी

लक्ष्मीबाई कॉलेज के प्रांगण में विश्व

हिंदू परिषद द्वारा वाहिनी द्वारा नशा

मुक्त युवा विकासित भारत कार्यक्रम

आयोजित किया गया। महिलाओं

और भारत माता के चित्र के सामने दीप

जलाने कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

जिला संयोजिता लीना श्रीवास्तव

को कहा कि नशा से बचाये और महिलाओं

की सुरक्षा व सजगता जरूरी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर सही सुमन

श्रीवास्तव को कहा कि नशा से परहेज

कर ही सुधीर और रास्ते की प्रगति संभव

है। छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्ति का

संकल्प लिया।

चोरोंने घर में संधें

लगाकर की चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना

जहांगीराबाद के ग्राम इल्मासांग

में नवंबर माह में आई रात के बाद

झाज़ार चोरों ने एक घर में संधें लगाकर

चोरी की बारत की अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम इल्मासांग

निवासी अंजीत कुमार पुरु रव. रामलाल

ने बताया कि चोरों ने उनके घर से

सोने-चांदी के जरूर, नक्की तथा एक

पीढ़ी ने जाना जहांगीराबाद में मुकदमा

दर्ज कराया।

दिव्यांग बालक से बुजुर्ग

ने किया कुरुक्षेत्र

रामसनेहीगं, बाराबंकी, अमृत विचार

एक दिव्यांग बालक के साथ कुरुक्षेत्र

की घटना सामने आई है। कामी 65

साल का बुजुर्ग है जो एक दिव्यांग का

बालक रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर

किया कि आपको गिरफ्तार कर लिया है। नौ

साल के दिव्यांग बालक को बुजुर्ग बहला

फूसलाकर एकता में ले जाकर कुरुक्षेत्र

की घटना को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम इल्मासांग

निवासी अंजीत कुमार पुरु रव. रामलाल

ने बताया कि एक घर में संधें

लगाकर चोरी के जरूर नक्की तथा एक

पीढ़ी ने जाना जहांगीराबाद में मुकदमा

दर्ज कराया।

लपटें विकराल हो गई।

परिवारवालों की चीख-पुकार

सुनकर मौके पर जुटे ग्रामीणों ने

काफी मशक्कत के बाद आग पर

काढ़ा तो पाया, लेकिन तब तक घर

का ज्वालादार सामान जल कर राख

हो चुका था।

आग की चपेट में आने से बाइक,

जेवर, कपड़े, राशन और अन्य

कीमती सामान पूरी तरह राख हो

गया। ग्राम प्रधान विधिन वर्ष में

इस घटना की जानकारी प्रशासन

को दी, जिसके बाद लेखपाल ने

मौके पर पहुंचकर नुकसान की

रिपोर्ट तैयार कर अधिकारियों को

भेज दी है।

जानकारी के अनुसार, थाना

क्षेत्र के पूरे खुशहाली मजरे

नसीरपुर निवासी सुरेश रावत के

घर में गुरुवार रात अचानक आग

लग गई। जब तक घर बाले कुछ

समझ पाते, तब तक आग की

आग से बाइक समेत

लाखों का सामान राख

संवाददाता, कोठी, बाराबंकी

संवाददाता, कोठी, बाराबंकी

अमृत विचार : अंजात कारणों से

लगी आग से घर में रखी बाइक,

जेवर, कपड़े, राशन समेत करीब

3 लाख रुपये से ज्यादा का

सामान जलकर राख हो गया।

सच्चन मिलने पर हल्का लेखपाल

मौके पर पहुंचे और नुकसान का

आंकलन किया।

जानकारी के अनुसार, थाना

क्षेत्र के पूरे खुशहाली मजरे

नसीरपुर निवासी सुरेश रावत के

घर में गुरुवार रात अचानक आग

लग गई। जब तक घर बाले कुछ

समझ पाते, तब तक आग की

आग से बाइक समेत

लाखों का सामान राख

संवाददाता, कोठी, बाराबंकी

अमृत विचार : अंजीत कारणों से

लगी आग से घर में रखी बाइक,

जेवर, कपड़े, राशन समेत करीब

3 लाख रुपये से ज्यादा का

सामान जलकर राख हो गया।

सच्चन मिलने पर हल्का लेखपाल

मौके पर पहुंचे और नुकसान का

आंकलन किया।

जानकारी के अनुसार, थाना

क्षेत्र के पूरे खुशहाली मजरे

नसीरपुर निवासी सुरेश रावत के

घर में गुरुवार रात अचानक आग

लग गई। जब तक घर बाले कुछ

समझ पाते, तब तक आग की

आग से बाइक समेत

लाखों का सामान राख

संवाददाता, कोठी, बाराबंकी

अमृत विचार : अंजीत कारणों से

लगी आग से घर में रखी बाइक,

जेवर, कपड़े, राशन समेत करीब

3 लाख रुपये से ज्यादा का

सामान जलकर राख हो गया।

सच्चन मिलने पर हल्का लेखपाल

मौके पर पहुंचे और नुकसान का

आंकलन किया।

जानकारी के अनुसार, थाना

क्षेत्र के पूरे खुशहाली मजरे

नसीरपुर निवासी सुरेश रावत के

घर में गुरुवार रात अचानक आग

लग गई। जब तक घर बाले कुछ

समझ पाते, तब तक आग की

आग से बाइक समेत

लाखों का सामान राख

न्यूज ब्रीफ

पूर्व राज्यमंत्री के चाचा के निधन पर जताया शोक

बांग्रमऊ उन्नाव : जब के गांव सराय सुल्तान निवारी से पाता, पूर्व राज्य मंत्री व सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश शांकोल खान नदी के चाचा अजरन खान का बीमारी के लिखनक के पीजीआई अप्सताल में निवारी हो गया। रात में उनका शव पैतृक गांव सराय सुल्तान लाया गया। गुरुवार को बाद नमाज जाहर ताके जाचे की नमाज पढ़ाई गई। नमाज जाना में हजारों लोगों ने शिरकत की। इसमें सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, हरदोई के सपा लिलाक्ष्य शराफ खान, मल्लवाल विधायक सभा के पूर्व प्रत्याशी बृंशेश वर्मा उम्मी टिल्लू, सपा नेता सुरेश पाल, मो. इमरान सिंहीकी, डॉ. मुना अल्ली, रईस अहमद, संतीव त्रिवेदी, मो. सेक खान, शशांक शेखर शुक्ल, अरकान विधायी, दाक खान, शहानवार, नसीम अहमद, बांग्रमऊ के पूर्व योग्य वर्षा नेता सुरेश पाल, मो. इमरान सिंहीकी, डॉ. मुना अल्ली, रईस अहमद, संतीव त्रिवेदी, मो. सेक खान, शशांक शेखर शुक्ल, अरकान विधायी, दाक खान, शहानवार, नसीम अहमद, बांग्रमऊ के पूर्व योग्य वर्षा नेता सुरेश पाल, मो. इमरान सिंहीकी, डॉ. मुना अल्ली, रईस अहमद, संतीव त्रिवेदी, मो. सेक खान, शशांक शेखर शुक्ल, अरकान विधायी, दाक खान, शहानवार, नसीम अहमद, बांग्रमऊ के पूर्व योग्य वर्षा नेता सुरेश पाल, मो. इमरान सिंहीकी, डॉ. मुना अल्ली, रईस अहमद, संतीव त्रिवेदी, मो. सेक खान, शशांक शेखर शुक्ल, अरकान विधायी, दाक खान, शहानवार, नसीम अहमद, फजलुरहमान आदि मौजूद रहे।

हरदोई में 10 से ज्यादा ट्रेनें घंटों लेट घना कोहरा बना मुसीबत, ठंड से स्टेशन पर परेशान दिखे यात्री

संचाददाता, हरदोई



कोहरे के बीच स्टेशन पर जाती ट्रेन।

अमृत विचार। जिले में इस साल की सर्वियों का पहला घना कोहरा शुक्रवार सुबह देखने को मिला। कोहरे की चादर इनी घनी थी कि आम्रीन इलाजों से लेकर शहर तक दूश्यता बेहद कम हो गई। शहर में विशिलिती कुछ स्थानों पर 70-75 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे सड़क यातायात पूरी तरह धूमा पड़ गया। लोग सावधानी से हेडलाइट और पार्किंग लाइट जालकर वाहनों को रोंगती गति में चलाते दिखाई दिए।

कोहरे का असर केवल सड़क पर ही नहीं बल्कि रेलवे संचालन पर ही व्यापक रूप से देखा गया। घने कोहरे ने भारतीय रेल के पहियों की रफ्तार को भी थाम दिया, जिसके लिए रेलवे ने भारतीय रेल लखनऊ-जानारी मार्ग पर हुए लखनऊ आने वाली 15012 स्लारनपुर-एक्सप्रेस भी लगभग 3 घंटे से अधिक की दरी से आई। अमृतसर से हावड़ा जाने वाली 13006 प्रेस भी 1 घंटे 56 मिनट की दरी से हावड़े पहुंची। इलाजों से लेकर शहर तक दूश्यता बेहद कम हो गई। शहर में विशिलिती कुछ स्थानों पर 70-75 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे सड़क यातायात पूरी तरह धूमा पड़ गया। लोग सावधानी से हेडलाइट और पार्किंग लाइट जालकर वाहनों को रोंगती गति में चलाते दिखाई दिए।

कोहरे का असर केवल सड़क पर ही नहीं बल्कि रेलवे संचालन पर ही व्यापक रूप से देखा गया। घने कोहरे ने भारतीय रेल के पहियों की रफ्तार को भी थाम दिया, जिसके लिए रेलवे ने भारतीय रेल लखनऊ-जानारी मार्ग पर हुए लखनऊ आने वाली 15012 स्लारनपुर-एक्सप्रेस भी लगभग 3 घंटे से अधिक की दरी से हावड़े पहुंची।

पाटलिपुत्र एक्सप्रेस साथे 6 घंटे रही लेट

योग नारी ऋषिकेश से हावड़ा जाने वाली 13010 दूर एक्सप्रेस की बाँधे 29 मिनट विलब से आई। जबकि चंडीगढ़ सप्टेंट्रियर की ओर जाने वाली 2256 प्रातियात्र एक्सप्रेस भारी कोहरे के कारण 6 घंटे 29 मिनट दर्ज से हावड़े पहुंची। देवरादून से बारास वरने वाली 15120 जनता एक्सप्रेस तामाग 2 घंटे 7 मिनट विलब से स्टेशन पहुंची। इसके अलावा फिरोजपुर से धनबाद जाने वाली 13308 गंगा सत्तुलज एक्सप्रेस भी 2 घंटे 33 मिनट की दरी से आई। अमृतसर से हावड़ा जाने वाली 13006 प्रेस भी 1 घंटे 56 मिनट की दरी से हावड़े पहुंची। इसी बारास-दर्बरी 14235 गंगा लाइट एक्सप्रेस भी अपने निधारित समय से 1 घंटे 13 मिनट दर्ज से पहुंची। वहाँ से धनबाद से हावड़े पहुंची। इसी तरह 12232 चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस पूरे 5 घंटे 4 घंटे 4 मिनट की दरी से स्टेशन पहुंची, जिससे यात्रियों को भारी दिवकरों का सामान करना पड़ा। चंडीगढ़ से साहस्रपुर-बिजनौर मार्ग होते हुए लखनऊ से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

करीब 10 प्रमुख ट्रेनें अपने निधारित समय से कई घंटे देरी से पहुंची। वहाँ से धनबाद से चलकर लखनऊ जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची। ट्रॉनों के घंटों लेट होने से यात्रियों को रेस्टेशन पर ठंड में बैठने के लिए प्रयत्न द्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए काफी बोली जाने वाली 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस भी लगभग 2 घंटे 37 मिनट दर्जे से हावड़े पहुंची।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षिका के घर से समेटा लाखों का माल

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : इलाके के ग्राम नवीनपुर में बंद पड़े शिक्षिका के मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया। शातिर रात के अंतरे में घर से नकदी और सामान सेफ्ट ले गए। पुलिस मामले में जांच पड़ाकर रही है। लखरपुर कोतवाली क्षेत्र की नवीनपुर निवासिनी मांसाली शुक्रान के मूलायिक, सास का स्वास्थ्य खुब होने के कारण वह उर्दू जाली गई थी। पड़ासियों द्वारा सूक्त दी गई थी कि उसके बाद उसने डायल 112 पर फोन कर अनहोनी को आशका जारी, आपने हिंदूओं द्वारा घर से लगभग पांच तीला सोने के जेवर, 400 ग्राम चावी के जेवर और 30 हजार की नकदी चोरी कर ली गई है। केसरीयज वीकी प्रार्थी मनोज कुमार गुटा ने मौके का निरीक्षण कर शक्ति खुलासा किए जाने का आशासन दिया।

धूमधाम से निकली चादर यात्रा

महोली, सीतापुर, अमृत विचार : प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी केंद्र के ग्राम अमीरिया स्थित जिंद बाबा की मजार पर विदायल में एक आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत चादर की रस्म के प्रारंभ हुई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुकेश वर्मा ने आगाई की बैठ बाजा की धूम पर संदेश मजार पहुंचे। बाद वार्ता की रस्म पूरी की गई और फिर भड़ाका आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधान प्रतिदिन मुकेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुणा मौजूद रहे।

बछड़े को लेकर दो पक्ष भिड़े, 13 घायल

सीतापुर, अमृत विचार : सदरपुर इलाके के जहागीराबाद में गाय के बछड़े को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों ओर से ईट-पराय, लाडी-डैडे और धारदार हथियार चले। जिसमें 15 लोग घायल हो गए। पांच जो गोपी अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताते हैं कि गाय का बछड़ा पड़ोसी सुनील के दरवाजे पर चल गया, इसी को बाद बछड़े को लेकर विवाद शुरू हो गया। कुछ ही देर में विवाद खुल संघर्ष में बदल गया। जालेवा हास्पिट में द्वारा लिया गया, उनके घार बढ़े, बहु और दुसरे पक्ष के बीच नोन-कविता, आमंत्रण, अनिल, सुरेश समेत अन्य घायल हो गए। सूनुना मिलने के बाद सदरपुर और विवाद पुलिस दोनों मौके पर पहुंच गई। इलाके के लिए सभी को अस्पताल ले जाया गया।

शिक्षिका का मौके पर किया गया निस्तारण

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार :

विकास खंड क्षेत्र के अकैनपुर

फरीदपुर ग्राम पंचायत का खंड विकास

अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया।

सात शिकायतों आप से संबंधित थी। जिसका तत्काल प्राप्त ज्ञान से जन्म प्राप्ति परिणीत कर समाधान किया गया।

कस्तूरबा की 11 छात्राएं बीमार, दो द्रामा रेफर

ऐतसा स्थित विद्यालय में सभी छात्राएं अध्ययन नहीं, पेट दर्द व सांस लेने में शिकायत के बाद कराया गया था।

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रेडस की 11 छात्राएं अचानक बीमार हो गई। सभी को पेट दर्द, सांस लेने में दिक्कत और तेज बुखार की शिकायत मिली। सात छात्राओं को सीतापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिनमें से दो बेहराह उपचार के लिए लखनऊ द्रामा सेंटर में भर्ती कराई गई हैं।

जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सोशलीटों के निर्देशन में टीम गठित की है। टीम ने विद्यालय पहुंचकर भोजन और पानी की सैपलिंग की है।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रेडस में छात्राएं खाना खाने के बाद सांस लेने में दिक्कत की शिकायत करने लगी है।



लखनऊ द्रामा सेंटर में भर्ती ज्याति और पल्लवी।



अमृत विचार



जिला अस्पताल के चिल्ड्रेन वार्ड में भर्ती छात्राएं।

अमृत विचार

स्स्पेक्टेड फूड प्यायजनिंग की बात आयी सामने

छात्राओं के उपचार के दौरान प्रथम टूट्या सपैकेट फूड प्यायजनिंग की बात सामने आई है। कहीं न कहीं इ-हीं कारोंगों से छात्राओं को सांस लेने में दिक्कत, पेट दर्द और बुखार की शिकायत है। जांच के लिए सैपलिंग की गई है। रिपोर्ट आगे के बाद ही रिस्टियों स्पष्ट हो जाएंगी। लखनऊ में भर्ती दोनों छात्राओं की हालत सामान्य है।

डॉ. इन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, सीतापुर

से सात छात्राओं को जिला अस्पताल में टीम गठित करने के बाद जुगानी (12), पल्लवी (12), ज्योति (12), सुहानी (12), अंशिका (12), शालिनी (11), शशी (12), अंकिता (14) की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई और फिर भड़ाका आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधान प्रतिदिन मुकेश वर्मा ने आगाई की बैठ बाजा की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल आर. को जैसे ही सूचना रामेश अंकिता की तबियत बिगड़ गई। अफरातरफी के बीच छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। वार्डों रात में ही सभी को सीएससी रेडस लेकर पहुंची, जहां में भर्ती की धूम पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइडर और स्वाट टीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. रामेश की तबियत अस्पताल

बछरावां : थाना क्षेत्र के करबा अंतर्गत शिवगढ़ पर शुभवार की सुबह मिनीग्राम पर शुभवार की सुबह एक बैंक पर निराकरण के पांच बैंकों से आ रहे अंजात बाबक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सुरेश कुमार पुत्र माता प्रसाद निवारी शिवगढ़ रोड कर्सा बरारावां के सीधे पांचवांशीय गाय, जहां पर हालत अपर्याप्त होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार घायल

बछरावां : थाना क्षेत्र के करबा अंतर्गत बादा-बहारिया राजमार्ग पर अंजात पिकअप की टक्कर से बाबक सवार एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पदन विरुद्ध अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सक प्रभात मिश्र ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

युवक ने देने के आगे कूदकर दी जान

फरसतमंज (अमेठी): थाना क्षेत्र के संपर्क गांव के पास शुकुल वाजर को दोहरा बाद एक युवक ने देने के साथने कूदकर आवाहन करता है। घटना की सुचना मिलते ही स्थानीय लोगों में छड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। जानकारी के अनुसार, लापत्ता 30-30 बड़े लखनऊ से बनारस जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस के आगे कूदने से युक्त की मौके पर ही मौत हो गई। फुरसतमंज पुलिस मौके पर हुई और शव को अपने कबूजे में लेकर शिवालिक कारवाई। ग्रामीणों ने मृतक की पहचान करवाई। ग्रामीणों ने खालिसुपर के रूप में को। पुलिस ने शव को कबूजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना अध्यक्ष नंद हीसला यादव ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आगे के बाद आगे की कानूनी कारवाई हो जाएगी। हादसे से इलाके में शोक का माहौल है।

समय से पहले बंद भिला जन औषधि केंद्र

अमेठी: योगीसरी थेप्या में चल रहे प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के समय से पहले बंद मिलने से मरीजों में नाराजी देखी गई। शुकुल वाजर को दवा लेने आगे कई ग्रामीणों ने बताया कि खिड़की पर ताल लटका मिला, जबकि अस्पताल में मरीजों की काफी भीड़ थी। मरीजों का कहना है कि सरकारी सर्वीसी दवा न मिलने से उन्हें मजूरी दी गई है। शुकुल वाजर की प्राइवेट दुकानों से महीनी दवा खरीदी नहीं पड़ती है। ग्रामीणों का आरोप है कि फारमशिष्ट बाहर की दवा लिखावाने के चक्रकर में अस्पताल केंद्र को बंद कर देते हैं। इस बजाय से गरब मरीज इप्र-उधर भटकते रहते हैं। वही इसके शिकायतों से एक योगीसरी अधीक्षक को नियुक्त हो गई है। बंद शर्टर और खिड़की के बाहर खड़े दो ग्रामीण मरीज, हाथ में पर्ची लिए इंतजार करते रहे हैं। वही सीधी अधीक्षक डॉ अमितन्दु वर्मा ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। लापरवाही सावित होने पर कार्रवाई की जाएगी।

6 घंटे बिजली गुल सरकारी काम ठप

अमेठी: अमेठी दाउन में शुकुल वाजर को लगभग छ हंटे तक बिजली आपूर्ति बंद होने से सरकारी तरफ विभाजित रहा।

तहसील परिषर और सी एच सी केंद्र में बिजली न होने से तहसील में मजूरी दवा दी गई है। शुकुल वाजर को दवा लेने आगे कई ग्रामीणों ने बताया कि खिड़की पर ताल लटका मिला, जबकि अस्पताल में मरीजों की काफी भीड़ थी। मरीजों का कहना है कि सरकारी सर्वीसी दवा न मिलने से उन्हें मजूरी दवा दी गई है। शुकुल वाजर की प्राइवेट दुकानों से महीनी दवा खरीदी नहीं पड़ती है। ग्रामीणों का आरोप है कि फारमशिष्ट बाहर की दवा लिखावाने के चक्रकर में अस्पताल केंद्र को बंद कर देते हैं। इस बजाय से गरब मरीज इप्र-उधर भटकते रहते हैं। वही इसके शिकायतों से एक योगीसरी अधीक्षक को नियुक्त हो गई है। बंद शर्टर और खिड़की के बाहर खड़े दो ग्रामीण मरीज, हाथ में पर्ची लिए इंतजार करते रहे हैं। वही सीधी अधीक्षक डॉ अमितन्दु वर्मा ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। लापरवाही सावित होने पर कार्रवाई की जाएगी।

शुकुल बाजार में आवारा कुत्तों का आतंक, दहशत

► आवारा कुत्तों ने हमला करके 50 लोगों को किया घायल, ग्रामीणों व छात्रों में भय का माहौल

दिनेश तिवारी, शुकुल बाजार (अमेठी)

स्कूल जाने से कठतराने लगे हैं।

अमृत विचार। पिछले दो दिनों से 12 से अधिक गांवों में आवारा व पागल कुत्ते का आतंक है। बदल वाजर का तैयार व पागल कुत्ते का आतंक है। बदल वाजर का तैयार कर रहा है।

कूत्तों के हमले से घायलों में प्रमोट कुमार शुकुल बाजार, जितेन्द्र कुमार पूरे पांडे औम शुकुल भट्टमऊ, रामदेव पूरे पांडे, मुकेश सालिन, गणग राम नई दिल्ली, मो. अली मिखारा बारावकी, छोटा अहीर गांव, अर्णव अयोध्या, आयुषी पूरे पांडे, मो. हवीब शेखापुर, वर्षा शुकुल बाजार, आदर्श भट्टमऊ, रिकी दविखन गांव, देवराज सेवर, मलिक कुमार इकाताजपुर शुकुल।

हरखमऊ का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं, जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोग प्रधान से लेकर समाजसेवी व अधिकारियों को इसकी जानकारी की पहचान लेकर यादव शुकुल बाजार का तक 50 लोगों को काटकर घायल कर चुका है।

इसे लेकर ग्रामीणों में दहशत हुआ कि आतंक अब दंडरिया, का माहौल है।

वहाँ के बातों का अतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं, जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है। वहीं आवारा कुत्ते लोगों के साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

वहाँ के बातों का अतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं, जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं। परेशन लोगों का साथ ही मवेशियों का पुरावा के नोहरलाल का काटकर घायल कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक शुकुल बाजार को एक पागल कुत्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में लोगों का आतंक अब दंडरिया, का माहौल है। वहीं जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर बयानबाजी कर रहे हैं।

अवसर और चुनौती



धर्म एक ही है, यद्यपि उसके सैकड़ों संरक्षण हैं।

- जार्ज बर्नाड शा, आइरिश विचारक

आरावली पहाड़ियों पर बढ़ता संकट व सुप्रीम कोर्ट



पंकज वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य जितना आवश्यक है, उतना ही कठिन भी और इसीलिए यह समय वृद्धि महत्वपूर्ण अवसर के साथ चुनौती भी है।

यह तो बहुत स्पष्ट है कि दिल इसका उपयोग पूरी गंभीरता से हो तो इस अतिरिक्त समय का मतदाता सूची की शुद्धता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रदेश के सभी जिलों से पिनी रिपोर्टें संकेत देती हैं कि फील्ड सत्यापन में कई क्षेत्रों में दरी थी, कुछ स्थानों पर अनुपस्थित मतदाताओं की पहचान अपूर्ण थी और मृतक मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी धीमी चल रही थी। दो सताह का अतिरिक्त समय इन खामियों को दूर करने का अवसर देगा और इससे सूची की शुद्धता में उल्लेखनीय सुधार आ सकता है। विशेषकर घनी आवादी वाले जिलों, शहरी स्लम क्षेत्रों, प्रवासी मजदूरों के अंतर्लोग और बाह्य-सूचा प्रभावित इलाकों में, जहां सत्यापन सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। इस समय वृद्धि से एसआईआर और मैले गए अधिकारियों व कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

एक सबल यह भी है कि क्या इतनी विशाल जनसंख्या वाले सूबे में

अधिकारी और समय की मांग कर सकते हैं? संभावना से इनकार नहीं

किया या जा सकता। हर विधानसभा क्षेत्र में 8-10 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित हैं। ये वो लोग हैं जो या तो दूरे राज्यों में काम करते हैं, या स्थानांतरित हो कुक्के हैं, या पता बदल चुके हैं। यदि इनका सत्यापन अधूरा रह गया, तो रिप्टिं चुनावी गड़बड़ियों और फर्जी मतदाताओं की आशकों को बद्दा सकती है, क्योंकि फर्जी वोटिंग और मृत मतदाताओं के नाम से मतदाता की आशंकाएं अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

मुख्यमंत्री का यह बयान कि विषय मृत या अनुपस्थित नामों पर बोट अपने खाते में डलवाल सकता है, राजनीतिक चेतावनी भी है और प्रशासनिक सावधानी भी। सिद्धांत: यह संभव तो है, पर तभी जब सूची में कमियां रह जाएं। तकनीकी निगरानी और आधार-लिंकिंग के बावजूद, यदि फील्ड स्टर पर फील्ड टाले यह खामी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है तब उसकी वार्ता है कि कोई चूक न रह जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं जिले में अधिकारियों को फील्ड में जाकर गायब, विश्वापित और अनुपस्थित मतदाताओं की खोज का आदेश दिया है। युप्रीष्ठियों को मतदाता सूची से दूर रखने के लिए 'डॉ-टू-डॉर सत्यापन, डिनिल फॉर्म' की ट्रैकिंग, आधार-मतदाता फॉर्मों क्रस्स-मैटिंग, और संदिग्ध इलाकों की विशेष जांच करवानी आवश्यक होगी। कुल मिलाकर इस बढ़े समय का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जो प्रशासनिक मशीनों में जबाबोंही बदले जाएं। मतदाता सूची चुनाव की नींव है। नींव मजबूत होगी तो लोकतंत्र भी तकतवर होगा।

प्रसंगवथा

कालबेलिया बेटियों ने बदली रुद्धिवादी सोच

कालबेलिया समाज की कहानी जितनी रंगीन दिखाई देती है, उसकी परतों में उतना ही गहरा दर्द, उपेक्षा और संघर्ष छिपा हुआ है। यह वही समाज है, जहां कभी बेटी का जन्म होना स्वयं में एक बोझ समझा जाता था। गरीबी, आजीविका के अधाव और सामाजिक असुरक्षा ने इस सोच को इन्हांना गहरा बना दिया था कि कई बार बेटियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था। यह कोई सामाजिक परंपरा नहीं थी, बल्कि हालांकि कोई मजबूरी और पितृसत्तात्क मानसिकता का परिणाम थी। समाज में यह धारणा गहरे तक बैठ रुकी थी कि बेटा वंश का बाहक है, कमाने वाला है और बुद्धापे का सहारा बनेगा, जबकि बेटी पराया धन है, जिसे पाल-पोस्कर अंततः दूसरे घर भेज देना है। इसी असमान सोच ने लैगिंग भेदभाव

को जन्म दिया, जिसकी कीमत कई मासम बेटियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आय के स्थायी साधन के अधाव और इस सोच को और मजबूत किया।

कालबेलिया समुदाय पंपरंगात रूप से घुमात रहा है। उनके द्वारा एक स्थान से दूरसे स्थान तक लगते रहे और जीवन सांप पकड़ने, बीन बजाने, जहर निकालने, सुमा बनाने और तमामों से दूर रखने के ईर्ष-गिर्ष घुमता रहा।

महिलाएं घर-घर जाकर भिक्षा मांगती थीं और उसी से परिवार का पोट पलाया था। ऐसे

अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ का संघर्ष बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपारी के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी पंपरण भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सैदै कर हास्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई।

साल 1972 में जब वन्य जीव संरक्षण अधिनियम लागू हुआ और साप पकड़ने तथा उनके प्रदर्शन पर रोक लगी, तब कालबेलिया समुदाय की जीवनशैली एकदम बदल गई। रोजगार का मुख्य साधन छिन गया और सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा, जो पहले से ही हाशिए पर थीं। यही संकट एक सैदै कर देता है।

अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपारी के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी पंपरण भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सैदै कर हास्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई।

यह गौरवपूर्ण पल पूरे भारत के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन इसके पांच जिन हाथों की मेंहनत और साधना थी, वे हाथ स्त्रियों के थे। उन्हीं स्त्रियों के, जिन्हें कल तक मंच पर आने की इच्छा नहीं थी, जिन्हें पर्व और पंरपराएँ मैं कैद करके रखा गया था। गुलामों से परे जैसी कलाकारों को पैदाशी मिलना और मरमत की प्रमाण है कि अवसर प्रिलेन पर ही उत्तराधीन होती है।

कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नव्य की विश्वास में पर राह जाता है, तो किन उत्तराधीन होती हैं। आज कई कालबेलिया महिलाएं नव्य की विश्वास से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बनाए रही हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नव्य की विश्वास में पर राह जाता है, तो किन उत्तराधीन होती हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नव्य की विश्वास में पर राह जाता है, तो किन उत्तराधीन होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने

केंद्र सरकार की

सिफारिश पर

आरावली पर्वत

श्रुखला की जो

'नई परिभाषा'

दी है, उससे दिल्ली ही नहीं पंजाब तक रही है।

अरावली की जो

संभावना की जो

संभ

ज

ब से मैंने आचार्य चतुरसेन शास्त्री की चर्चित ऐतिहासिक पुस्तक सोमनाथ को पढ़ा, मेरे मन में ये आस जाग उठी कि आतायी महमूद गजनवी द्वारा लूटे और विघ्वांस किए गए मंदिर में विराजे प्रभु सोमनाथ जी के दर्शन को समय मिला तो जरुर जाऊंगा। बाबा-दादा से सुना था कि सबसे पहले सोमनाथ मंदिर का निर्माण सोने से चंद्रदेव (सोमराज) ने बाद में पुनर्निर्माण रावण ने चांदी से, भगवान कृष्ण ने लकड़ी से और राजा भीमदेव ने पत्थरों से करवाया था। इतना सब सुनने के उपरांत मानव मन में उस पवित्र स्थल के दर्शन करने की आवाना बलवानी होना स्वाभाविक है। मुझे श्री सोमनाथ जी के दर्शन का सौभाग्य बदा था। शाम के समय हम लोग पहले से बुक किए हुए श्री सोमनाथ द्रष्ट द्वारा संचालित विश्राम स्थल पर पहुंचे। कम पैसे में वहां की उत्कृष्ट व्यवस्था और साफ सफाई देखकर हम लोग दंग रह गए।

दया शंकर मिश्र
लेखक

सोमनाथ की अविस्मरणीय यात्रा

हम सभी के मन में श्री सोमजी के दर्शन की इतनी उत्कृष्ट थी कि जल्दी ही नहा धोकर वहां से लागभग एक किमी दूर स्थित मंदिर पहुंच गए। बाहर से ही मंदिर की विशालता और शिखरों की नवकारी देखकर मन-मयूर नर्तन करने लगा। मंदिर की सूरक्षा में तैनात सिक्युरिटी के नियमों का पालन करते हुए हम लोग पंक्तिबद्ध होकर मंदिर के अंदर पहुंचे तो आरती का समय हो रहा था। इसके उपरांत पट बंद हो जाते हैं, जो दूसरे दिन प्रातः खुलते हैं।

दोबारा दर्शन करने का बाद हुई संतुष्टि

मंदिर में पुरुषों और महिलाओं के दर्शन हेतु जाने एवं निकलने के लिए पुथक-पुथक लाइन थी। महिलाएं समूद्र की ओर स्थित द्वारा से जबकि पुरुष देवी अहिल्याबाई द्वारा निर्मित करवाए गए मंदिर की तरफ स्थित द्वार से दर्शन के उपरांत बाहर जा रहे थे। आशा के विपरीत प्रभु सोमनाथ जी असाम क्रांति से हम लोगों को बहुत ही आराम से श्री सोमजी के विशाल ज्योतिलिंग के दर्शन हुए। एक बार दर्शन से मन नहीं भरा और बाहर निकलकर मैं पुनः लाइन में लग गया। दोबारा जी भरकर उनकी प्रतिमा को देखा, तो मन में संतुष्टि हुई। आरती अपी चल रही थी, भक्त करावबद्ध हर-हर महादेव निनाद करते हुए दर्शन कर रहे थे।



जब भाभीजी बिछड़ गई

हम सब लोग बाहर निकलकर पहले से तथ स्थान पर एक दूसरे से मिले। वहां पर मैं, भाई साहब और मेरी पत्नी तो आ गईं, लेकिन भाभीजी का कहीं अता-पता नहीं था। दिन भर के सफर से हम लोग काफी थक चुके थे, लेकिन बड़े भाई की पत्नी की तलाश आवश्यक थी। मैं और भाई साहब उनको ढूँढ़ने हुए हनुमान जी की तरह मंदिर के एक दो चबकर लगा आए, परंतु वे नहीं मिले। सभी बड़े पश्चात्रों में थे कि वे आविहृत हैं कहां। हम लोग एक तरफ बैठ गए और भाई साहब से कहा कि आप दूसरी तरफ बैठिए। बाहर निकलने के दो ही रास्ते हैं। मिलेंगी जरूर। इतने में मंदिर के पिछावाड़े की तरफ से एक सज्जन कंधे में झोला डाले हुए आए। मैं पहले और श्रीमती जी मेरे बाद बैठी थी। उनको देखते ही न जाने के से हाथ ऊपर उठ गए और उन्होंने मुझे कपड़े के छोड़े थैले में एक लड्डू पकड़ा दिया। श्रीमती जी ने भी हाथ बढ़ाया, लेकिन वे किसी को भी प्रसाद दिए विना आगे बढ़ गए। मैं अवाक था, केवल मुझे ही प्रसाद मिला। जब तक स्थिर होता, कुछ विचार करता वे आगे जाने कहां निकल गए। मैं उनको ठीक से देख भी नहीं पाया। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि मुझे अकिञ्चन को प्रभु सोमनाथ ही तो प्रसाद देने नहीं चले आए थे।

इसके उपरांत मैंने एक चबकर मंदिर का और लगाने का निश्चय किया। समूद्र की तरफ स्थित द्वार के पास पहुंचते ही देखा कि भाभीजी मंदिर की दीवारों में उक्तीर्ण देव प्रतिमाओं की श्रद्धापूर्वक चरण वंदना, पूजा-अर्चना कर रही थीं। वे इस कदर भक्ति में लौटी थीं कि उनको हांश ही नहीं थी कि वे किसी के साथ आई हैं, कोई उनका इंतजार कर

रहा है। उनको देखकर मैं वैसे ही हाथर्तिरेक से भर गया जैसे हनुमानजी मां सीता को अशोक वाटिका में पाकर खुश हुए थे। मैंने उनकी पूजा में बाधा उत्पन्न करते हुए ईश्वर आराधना में लौट उनके मन को वापस धरातल पर लाने हेतु आवाज दी और सूचित किया कि मंदिर बंद होने वाला है, हम लोगों को वापस चलकर भोजनादि करना है।

दूसरे दिन प्रातः: हम लोगों ने पुक़: दिव्य दर्शन किए और आसापस के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर दोहरा में वापसी के लिए सीमीप ही वेरावल स्थित रेलवे स्टेशन से बंदेभारत पकड़ ली। जल्दबाजी में की गई यह यात्रा कई मायनों में अविस्मरणीय बन गई। रास्ते भर उन: दर्शनार्थ आने को सोचता हुआ मैं श्रीसोमजी के ख्यालों में खो गया।

जॉब का पहला दिन

मरीजों का उपचार कर खुद को गौरवान्वित महसूस किया



वर्ष 2010 मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत लेकर आया। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे साथन से नियुक्त पत्र मिला और मेरी पहली तैनाती शाहजहांपुर जिले के तिलहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में बैठौर मेडिकल अफसर हुई। यह मेरी नौकरी का पहला दिन था। एक ऐसा दिन जो आज भी स्मृतियों में उतना ही ताजा है। जब मैं सीएचसी के परिसर में प्रवेश कर रहा था, तभी ओपीडी के बाहर मरीजों की भारी भीड़ देखकर क्षणपर के लिए मन कुछ संकेत से भर गया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मरीजों को संभालने का अनुभव था, लेकिन इनी बड़ी संख्या एकदम से सामने आना मेरे लिए अस्तुल नया था। ऐसे मैं यह जिमेदारी निभा पाऊंगा? क्या मैं इन लोगों के लिए कुछ सार्थक कर सकूँगा? इनी विचारों के बीच चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. संजय अवाल से मिला। उहने मुझकरकर मेरा स्वापन किया, कागजी औपचारिकताएं पूरी कराई और मुझे शुभकामनाएं दीं। उनके आस्तीय व्यवहार ने भी तर एक भरोसा-सा भर दिया। इसके बाद मैं सीधे ओपीडी के

उस वक्त हेडमास्टर के पद पर शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे मेरे पिता रामीक अहमद अंसारी की एक बात याद आई कि "डॉक्टर बनने के बाद सरकारी सेवा ही करना, कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मरीज आते हैं, जो कि आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं।" उनका लाज बनने से उन्हें नई जिंदगी देने के साथ ही तुहां भी एक सकारात्मक ऊजां लिये गये।" उस दिन मुझे पहली बार महसूस हुआ कि वे कितने सही थे।

सरकारी अप्यताल में एक-एक मरीज की मुस्कान, उनकी दुआएं और उनका भरोसा-यही असल कमाई है। इसी भाव के साथ 2010 में शुरू हुआ मेरा सेवाकार्य आज भी उसी समर्पण के साथ जारी है। वर्तमान में मैं बरली के सीएचसी कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहा हूँ। इन पंद्रह वर्षों में बहुत कुछ बदला समय, स्थान, पद और कार्यालयी परेशानी के लिए अपेक्षित करना, लेकिन मरीजों के सेवा का भाव और चिकित्सा के प्रति समर्पण आज भी उत्तम ही अंडिंग है। यही सेवा मुझे इस कॉलेज के लिए अपेक्षित करती है।

डॉ. लर्क अंसारी डिप्टी सीएचसी, बरली।

आपबीती

बचपन के विद्यालय के प्रांगण में कदम रखता हूँ, तो बीते हुए दिनों की यादें फिर आंखों के समक्ष तैरने लगती हैं और लगता है जैसे कल ही की बात हो। हालांकि विद्यालय को छोड़े हुए बार दशक का समय हो गया है, लेकिन बचपन जीवन का एक ऐसा क्षण है, जो भुलाए नहीं भूलता। रस्ते में हमारे हिंदू देवताओं की श्रद्धापूर्वक चरण वंदना, पूजा-अर्चना कर रही थीं। वे इस कदर भक्ति में लौटी थीं कि उनको हांश ही नहीं थी कि वे किसी के साथ आई हैं।



दीपक नौगाँई

लेखक, लहानी

आज चंद बच्चों से शुरू हुआ यह सफर कई हजार बच्चों तक पहुंच गया है। यहां से पढ़े बच्चे कड़े क्षेत्रों में अपना नाम करा रहे हैं। लखनऊ के वर्तमान मंडल आयुक्त भी इसी स्कूल से पढ़े हुए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि मैंने इस विद्यालय से कक्षा 10 तक शिक्षा प्राप्त की है। आज यह ही कभी आच्छा लगा हो। मेरी तथा अन्य लड़कों की ये यात्रा कोशिश किए हैं कि किसी दूसरे तरह म्यूजिक रूम में जाएं बग्गे। एक बार हमारी म्यूजिक रूम से बैठ बहस हो गई, तो वह इस कटिज में आगे एक चबूत्र के लिए आया था। साथ ही एक चबूत्र के लिए भी आया था। वे आपसी के लिए सीमीप ही पिटाई हुई थी। मुझे संगीत का पीरियड शायद यही थी कि वे किसी के साथ आई हैं।

इस कटिज में आगे एक म्यूजिक रूम तथा एक टीटी यानी टेबल टेनिस रूम हुआ करता था। साथ ही शिक्षकों के बैठने के लिए भी एक कमरा था और छोटे बच्चों की कक्षाएं थीं। पीछे एक कटिनी भी थी और उसके बगल में बच्चों के लिए झूले और लाल अमरुद के कुछ पेड़। इन अमरुद और आम के पेड़ों से भी बड़ी सुनहरी यादें जुड़ी हुई हैं। अबकर अमरुद और आम तोड़ने के लिए मैं इन पेड़ों में चढ़ जाता था। कुछ अमरुद पेड़ पर बैठकर खाए, तो बाकी पेड़ के नीचे खड़े अपने दोस्तों क

